(मान्यताप्राप्त)
रेडियो ट्रेनिंग स्कूल,
लक्सा, वाराणसी

...प्रश्नके उत्तरमें राज्यके ...मंत्री श्री ... ने बताया कि राज्य सरकार योग्य शरणार्थियोंको रोजगार देने का विचार कर रही है।

वर्ष ५४, (पू. सं० १६३६३) २४ मार्च, १९७४ ई० वाराणसी, रवि...

'बिहार बन्द' शांतिपूर्ण किन्तु कहीं-कहीं वारदातें

जनसंघ, कम्युनिस्ट कार्यकर्ताओंमें संघर्ष, कई ट्रेनों और स्टेशनोंपर हमला

पटनामें रविवारसे दिनका कर्फ्यू समाप्त

पटना, २३ मार्च। आज २४ घण्टेके लिए 'बिहार बन्द' के सिलसिलेमें बेगूसराय जिलेके टेघरा नामक स्थानपर जनसंघ और कम्युनिस्ट कार्यकर्ताओंमें संघर्ष हुआ तथा कई स्थानोंपर रेलगाड़ियों और स्टेशनोंपर हमले किये गये। कई छोटी-मोटी घटनाओंके अलावा 'बन्द' शांतिपूर्ण रहा। आज राज्यके प्रायः सभी बड़े नगरोंमें कर्फ्यू लगा था। स्थितिमें सुधार आनेके कारण कल पटनामें दिनमें कर्फ्यू नहीं रहेगा।

लम्बी दूरीतक जानेवाली ६ एक्सप्रेस...

श्री चन्द्रजीत गफूरको हटानेके पक्षमें

नयी दिल्ली, २३ मार्च। बिहारकी स्थितिका चार दिनोंतक अध्ययन करनेके बाद कांग्रेसके महामंत्री श्री चन्द्रजीत यादव यहां आये और कांग्रेस अध्यक्ष डाक्टर शंकरदयाल शर्माको वहांकी स्थिति बतायी।

ऐसा समझा जाता है कि उन्होंने श्री शर्माको बताया कि स्थिति सम्हालनेमें राज्य प्रशासनकी विफलतासे हालत बिगड़ी है। श्री यादवका खयाल है कि श्री अब्दुल गफूर कुछ हदतक प्रभावशाली नहीं हैं, अतः बिहारके कांग्रेस विधानमण्डल दलके नेतृत्वमें परिवर्तन अपेक्षित है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अन्य दलोंके अलावा बिहारमें गत १८ तथा १९ मार्चकी घटो घटनाओंमें बाहरी हाथ भी बताया जाता है।

बिहारको शीघ्र गल्ला भेजनेका केन्द्रसे अनुरोध

मैं इसे स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री पदकी मुझे कोई लालसा नहीं है।—श्री अब्दुल गफूर

वर्ष ५७, (पृ० सं० १९६२४) १० फरवरी, १९७४ ई० वाराणसी, रविवार

आज

उपद्रवोंसे जर्जर गुजरातमें राष्ट्रपति शासन लागू

मुख्य मन्त्री चिमनभाई पटेलका इस्तीफा राज्यपाल द्वारा स्वीकृत

विधानसभा भंग न कर स्थगित रखनेका निर्णय

अहमदाबाद, ९ फरवरी। महीनोंसे चल रहे हिंसक आन्दोलन और आपसी वैमनस्य के शिकार कांग्रेस मन्त्रिमण्डलके पतनके बाद आज गुजरातमें राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया।

प्रधान मन्त्रीके निर्देशसे इस्तीफा

संघर्ष समिति अभी आन्दोलन जारी रखेगी

मैंने राज्यके हितमें इस्तीफा दिया

-चिमनभाई पटेल

मंत्रिमण्डलके इस्तीफेके बाद भी गुजरातमें उपद्रव

दो नगरोंमें गोलीसे ३ मरे, ८ घायल

गुजरातमें सभी नजरबन्दोंकी रिहाई

सभी पार्टियोंके चोटीके नेता चुनाव प्रचारमें व्यस्त

१७ सौ टीन वनस्पति बरामद

दो रूसी युद्धपोत बम्बईमें

जयप्रकाशनारायण और छात्र

सर्वोदय — अभी कुछ ही दिन पूर्व पूज्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधीकी १०५ वीं जयन्ती देशमें बड़े धूम धामसे सम्पन्न की गयी। महात्मा गांधीने देशको अहिंसाका पाठ पढ़ाया था। धर्मके प्रति लोगोंमें विश्वासकी भावना उत्पन्न की तथा शान्तिमय ढंगों तथा अहिंसात्मक तरीकोंसे सामाजिक तथा राजनैतिक बुराइयोंको दूर करनेकी शिक्षा दी। महात्मा गांधीका समय कुछ और था तथा अब आधुनिक युगका तकाजा कुछ और ही है। आज महात्मा गांधीके ही एक सहयोगी श्री जयप्रकाशनारायण जो कि एक सर्वोदयी नेताके नामसे भारतमें जाने जाते हैं, महात्माजीके आदर्शों एवं विचारधारापर चलनेके लिए जनतामें जागरूकता तथा कर्मठताकी लहर पैदा कर रहे हैं।

देशमें व्याप्त सामाजिक बुराइयों यथा भ्रष्टाचार, अनाचार, गरीबी, महगाई चोर-बाजारी, मूल्यवृद्धि, बेरोजगारी तथा वर्तमान दूषित तथा अनैतिक शिक्षाप्रणालीको समाप्त करने हेतु तथा देशकी आर्थिक व्यवस्था नीतिके त्रुटिपूर्ण प्रणालीके विरोध में श्री जयप्रकाशनारायणके नेतृत्वमें एक ऐसा देशव्यापी आन्दोलन प्रारम्भ हुआ है किन्तु प्रारम्भिक अवस्थाके कुछ ही महीनों पश्चात सर्वसाधारणमें वह आन्दोलन ही नहीं अपितु श्री जयप्रकाशनारायण भी चर्चाका विषय बन गये सात दलोंके विलयसे 'भारतीय लोक-दल' का निर्माण २८ अगस्त १९७४ को हुआ। इस दलने भी गांधीजीके आदर्शों तथा उद्देश्योंको पूर्ति अपना लक्ष्य बनाया पर प्रश्न यह है कि इस प्रकारके सिद्धान्त तथा उद्देश्य कहाँ तक पूर्ण एवं सफल होते हैं। आज भारतीय लोक दल, जनसंघ, समाजवादी दल तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसी संस्थाएँ श्री नारायणके आन्दोलनमें सक्रिय भाग ले रही हैं। इस जन-आन्दोलनका मुख्य कार्य-स्थल पूर्व प्रान्त बिहार राज्य है। यहाँ कितना ही बन्द आन्दोलन, तोड़फोड़, मन्त्रियों तथा विधायकोंका घेराव विधानसभाका घेराव, बन्द तथा विरोध प्रदर्शन किये गये। २५ अगस्तको लखनऊमें दो दिवसीय युवा सम्मेलनका उद्घाटन करते हुए सर्वोदयी नेता श्री जयप्रकाशनारायणने इस बातकी आशंका प्रकट की थी कि यदि बिहारका वर्तमान आन्दोलन विफल हो गया तो देशमें हिंसा और रक्तपातपूर्ण क्रान्तिकी सम्भावना प्रबल हो जायगी। इस बातसे क्या तात्पर्य निकलता है ? उनका मुख्य राजनीतिक माध्यम छात्र-समुदाय है। इस प्रकारके आन्दोलनोंमें छात्रोंको अपने अध्ययनका बहुमूल्य समय नष्ट नहीं करना चाहिये, चूंकि युवा-आक्रोश गम्भीर परिणाम लाता है। आज जीवनके प्रत्येक क्षेत्रमें राजनीतिने अपना घर कर लिया है तो नवयुवकों, छात्रोंका जीवन राजनीतिसे कैसे अछूता रह सकता है परन्तु राजनीतिक स्थितिका बिना गहन अध्ययन किये यदि सीधे राजनीतिका व्यवहारिक रूप अपना लिया जाता है तो यह छात्र समाजके लिए तथा साथ साथ देशके लिए भी हानिकारक सिद्ध होती है

युवा वर्गमें नया जोश, नयी उमंग होता है इसलिए चतुर राजनेता छात्रों तथा नवयुवकोंको माध्यम बनाते हैं। इसमें वे ही छात्र भाग लेते हैं जिनकी रुचि अध्ययनकी ओर न होकर नेता बननेमें होती है तथा वे किसी न किसी राजनीतिक दलसे सम्बद्ध होते हैं। छात्रोंका वर्तमान परीक्षा-परिणाम इन्हीं कारणोंसे विकृत होता जा रहा है। श्री जयप्रकाशनारायण कुछ ऐसी इस वृद्धावस्थामें भी एक स्थानसे दूसरे स्थानका भ्रमण कर अपने ओजपूर्ण व्याख्यानों द्वारा देशकी युवा-पीढ़ीमें लोकतन्त्रके प्रति तथा प्रशासनके प्रति वैमनस्य की भावना भर रहे हैं। क्या बन्द, तोड़-फोड़ क्रान्ति तथा आगजनी ही क्रान्ति है और क्या इन्हींसे सामाजिक बुराइयोंका अन्त हो जायगा ? क्या विधानसभा भंग कराने तथा एक वर्ष स्कूल-कालेज बन्द कर देनेसे ही सभी समस्याओंका निराकरण हो जायगा। नहीं। यह उचित मार्ग नहीं है यह तो हमको अन्धकारके गर्तमें फेंकने का मार्ग है जहांसे हम अपने उज्ज्वल भविष्यकी कामना ही नहीं कर सकते। हमें प्रौद्योगिक तथा रचनात्मक कार्य करने हैं। देशकी सुख-समृद्धिके लिए विकासशील कार्योंका सम्पादन करना है न कि इसके विपरीत कार्य करना है। छात्रोंको राजनीतिके इस शतरंजकी गोटी नहीं बनाना चाहिये। छात्रोंको यह जान लेना चाहिये कि यह आन्दोलन वर्तमान संकटों के समय केवल राजनीतिसे अमुकको बदलेकी राजनीति प्रेरित है जो कि संकटोंकी वृद्धिमें सहायता करता है। विद्यार्थीकाल जीवनका स्वर्णिम अवसर है। यदि यह समय हाथसे निकल गया तो फिर बादमें पश्चाताप करना पड़ेगा। यह जन आन्दोलन न तो हमें रोटी देगा न रोजगार। हमें कहींका भी न रखेगा।

वर्तमान आर्थिक कठिनाइयोंमें सहयोग एवं उसको हल करनेके लिए विरोधी दल

दौरेके बाद कहा है कि अनावृष्टिसे खेती चौपट, ऊपरसे आकाश-छूती महँगाई, सरकारी राशनका अभाव। लोग घरके गहने तथा अन्य आवश्यक सामान पेटकी ज्वाला शान्त करनेके लिए बेच रहे हैं दूसरी ओर अपनी प्रवृत्तिके विपरीत तबाह और बर्बाद आदिवासी-जन भिक्षाटनका धन्धा अपनाने जा रहे हैं।

यद्यपि सरकारने जिलेको अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है लेकिन कहीं समुचित राहत-कार्य एवं लाल कार्ड वितरणका कार्य देखनेमें नहीं आया

इस प्रकार छोटा नागपुरका प्रायः सारा इलाका सूखेकी मारसे तबाह है और यहां राहत कार्यकी शुरुआत अविलम्ब करनेकी आवश्यकता है। युवक कांग्रेस तथा सिंहभूमके नेताओंने मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रोंमें अविलम्ब कठिन श्रम योजना चालू की जाय, राशन-वितरणका समुचित प्रबन्ध किया जाय एवं 'लाल-कार्ड' वितरणकी अविलम्ब व्यवस्था हो। भाटियाने बयान दिया है कि भूख और बेकारीसे तंग आकर लोग अपने इलाके छोड़कर शहरोंकी ओर भाग रहे हैं। उन्होंने चेतावनी भी दी है कि यदि अविलम्ब स्थितिको नियन्त्रणमें करनेके उपाय नहीं किये गये तो भविष्यमें शहरोंके लिए (इन विस्थापितोंके चलते) एक बड़ी समस्या खड़ी हो जायगी। भाटियाने अपने बयानमें यह भी कहा है कि कांग्रेस अगर छोटा नागपुरकी समस्याओंके समाधानकी दिशामें यदि अब सावधान नहीं होता तो भविष्यमें छोटा नागपुर पूरे देशके लिए सिरदर्द बन जायगा।

छोटा नागपुरकी समस्या भिन्न है। यहांके आदिवासियोंका मानस भिन्न है। यदि सब कुछ समझते हुए यहां विवेकशील कार्यक्रम नहीं अपनाया गया तो सरकार और संघटन दोनोंके लिए संकट पैदा हो जायगा।

आज

श्री जयप्रकाश तथा नानाजी देशमुख लाठीचार्जसे घायल

आज 'पटना बन्द' कल 'बिहार बन्द' का सर्वोदय नेताका आह्वान

सरकारकी जबरदस्त मोरचेबन्दीके बावजूद दारोगाप्रसादराय केदार पाण्डेयके आवासपर धरना और घेराव

पटनामें कई स्थानोंपर अश्रुगैस तथा लाठीचार्ज, तीन हजार सत्याग्रही गिरफ्तार

पटना, ४ नवम्बर। सर्वोदय नेता श्री जयप्रकाशनारायण सरकारकी व्यापक प्रतिबन्धात्मक कारर्वाइयोंके बावजूद बिहारके वित्तमन्त्री श्री दारोगाप्रसाद रायके सरकारी आवासपर पांच घण्टेतक धरना देने तथा निषेधाज्ञा भंग कर रैलीको सम्बोधित करने और जुलूस निकालनेमें आज यहां सफल हो गये।

पुलिसके बर्बरतापूर्ण दमनके विरोधमें श्री जयप्रकाशनारायणने कल पूर्ण रूपसे 'पटना बन्द' और परसों 'बिहार बन्द' का आह्वान किया है।

प्रदर्शनके नियन्त्रणार्थ विमानका प्रयोग

नानाजी देशमुख गिरफ्तार

कांग्रेस अध्यक्षकी प्रधान मंत्रीसे वार्ता

आन्ध्रप्रदेश

नौ निर्दल विधायक कांग्रेसमें शामिल

उद्योगमन्त्रीका भदोहीका दौरा

आचार्य नरेन्द्रदेवकी जयन्ती

बन्द, आवश्यक सेवाएं चालू

सत्येन्द्रनारायण सिंह, कई लोगोंके साथ गिरफ्तार

शान्तिपूर्ण प्रदर्शनपर पुलिस 'जुल्म' की निन्दा

श्री जयप्रकाशपर प्रहारकी तीव्र निन्दा

कश्मीरके बारेमें भारतके साथ सम्मानजनक समझौता हो जानेपर पाकिस्तानको सहमति भी आवश्यक है।—शेख अब्दुल्ला

पटनामें पांच लाख कांग्रेसजनोंका विशाल जुलूस

जयप्रकाशके आन्दोलनके विरुद्ध जवाबी कारवाई

पटना, १९ नवम्बर। कांग्रेस पार्टीकी ओरसे आज यहां सर्वोदय नेता श्री जयप्रकाशनारायणके आन्दोलनके जवाबमें विशाल जुलूस निकाला गया। बताया जाता है कि इससे पहले राजधानीमें इतना विशाल जुलूस नहीं निकला था।

कांग्रेस अध्यक्ष श्री देवकान्त बरुआ, प्रदेश कांग्रेसके अध्यक्ष श्री सीताराम केशरी तथा मुख्य मन्त्री श्री अब्दुल गफूर जुलूस का नेतृत्व कर रहे थे। जुलूस पूर्वाह्न ११ बजे गांधी मैदानसे रवाना हुआ।

केन्द्रीय कृषिमन्त्री श्री जगजीवनराम, रेलमन्त्री श्री ललितनारायण मिश्र, इस्पात और खानमन्त्री श्री चन्द्रजीत यादव, बिहारके कांग्रेसी संसद सदस्य राज्यके मन्त्रीगण और विधायक जुलूसके आगे चल रहे थे।

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटीके महामन्त्री श्री नीतिश्वरप्रसाद सिंहने संवाददाताओंको बताया कि जुलूसमें पांच लाख से अधिक व्यक्ति शामिल हैं।

जुलूसमें शामिल होनेके लिए कल रात भर तथा आज सबेरे ट्रेन, ट्रक तथा यातायातके अन्य साधनोंसे लोगोंका आना जारी रहा। जुलूसके सबसे आगे एक सजी हुई ट्रकपर कांग्रेस सेवा दलके स्वयंसेवक थे, इसके बाद एक पायलट जीप तथा ६० मोटर साइकिल सवार चल रहे थे। इसके पीछे सेवा दलका बैण्ड था जिसपर परेडकी धुन बजायी जा रही थी।

बैण्ड पार्टीके पीछे एक सजी हुई जीपपर कांग्रेस अध्यक्ष श्री देवकान्त बरुआ, रेलमन्त्री श्री ललितनारायण मिश्र प्रदेश कांग्रेसके अध्यक्ष श्री केशरी तथा मुख्य मन्त्री श्री अब्दुल गफूर खड़े थे। इसके पीछे स्वाधीनता सेनानियों, युवकों तथा छात्रोंकी लम्बी कतार रही। हजारोंकी संख्यामें महिलाएं भी शामिल रहीं।

इसके पीछे जुलूसका मुख्य भाग रहा जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ता तथा समर्थक जिलेवार शामिल रहे तथा प्रत्येक टुकड़ीके पास उनके संगठनोंका सूचना पट्ट था।

जुलूसमें काफी संख्यामें लोग कांग्रेस का झण्डा और सूचना पट्ट लेकर चल रहे थे तथा प्रधान मन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी नेतृत्वमें विश्वास और विधानसभा भंग करनेकी मांगके विरोधमें नारे लगा रहे थे

कृषिमन्त्री श्री जगजीवनराम, इस्पात और खानमन्त्री श्री चन्द्रजीत यादव, केन्द्रीय उद्योग राज्यमन्त्री मोटरमें जुलूसके साथ रहे। केन्द्रीय उपमन्त्री श्री धर्मवीर सिन्हा, सिद्धेश्वरप्रसाद, डा० पी० यादव,

प्रदर्शनकारियोंपर हमले में ९० व्यक्ति घायल

पटना, १९ नवम्बर। सरकारी तथा कांग्रेसी सूत्रोंके अनुसार पिछले चौबीस घण्टेमें वर्तमान आन्दोलनके कथित समर्थकों द्वारा बिहारके विभिन्न भागोंमें हमले किये जानेसे अनेक कांग्रेसजन घायल हुए। कथित समर्थकोंने ट्रेन तथा बसें रोककर कई सौ व्यक्तियोंको प्रदर्शनमें भाग लेनेसे रोक रखा।

पटनामें हुए कांग्रेस प्रदर्शनके समय तथा बाद कोई आधे दर्जन बार कांग्रेसजनों पर हमलेके विफल प्रयास किये गये। इस सम्बन्धमें कोई ५० व्यक्ति, जिनमें अधिकतर युवक हैं, गिरफ्तार किये गये।

बादके समाचारमें बताया गया है कि कमसे कम नब्बे व्यक्ति घायल हुए, जिनमें एक व्यक्ति सख्त रूपसे घायल हुआ। बताया गया है कि पश्चिमी पटनाके मनपुरा मुहल्लेमें कोई दो सौ युवकोंने प्रदर्शनकारियोंपर हमला किया। प्रदर्शनकारी रैलीमें शामिल होनेके बाद घर लौट रहे थे।

पटना डिवीजनके कमिश्नरने पत्रकारों को बताया कि पटना-गया लाइनपर पुनपुन स्टेशनपर ट्रेन रोककर कोई ६० प्रदर्शनकारियोंको रोक रखा गया एक दूसरी घटनामें पटना-गया लाइनके परसा और पुनपुन स्टेशनोंके बीच रांची-पटना एक्सप्रेस रोककर कुछ कांग्रेसजनोंको जबरदस्ती ट्रेनसे उतारा गया।

तीसरी घटनामें पटना-गया शटल ट्रेन पर भारी पथराव किया गया और उसे परसा बाजारमें रोक ली गयी। भीड़ने कोई डेढ़ सौ व्यक्तियोंको ट्रेनसे उतर जानेको मजबूर किया और बादमें उनको समीपवर्ती स्कूल-भवनमें कई घण्टेतक बन्द रखा। पुलिसने बादमें उनको मुक्त कराया।

कांग्रेसकी रैलीमें आज युवकोंके दल ने यहां लगभग छः बार उपद्रव करनेका विफल प्रयास किया। युवकोंने कांग्रेसकी रैलीमें उपद्रव करनेका प्रथम प्रयास उस समय किया जब केन्द्रीय कृषिमन्त्री श्री जगजीवनराम भाषण कर रहे थे। मंचके निकट बैठा युवक भाषणके दौरान खड़ा हो गया और उसने कांग्रेस विरोधी नारे लगाकर पर्चे फेंके। बादमें कांग्रेसी कार्यकर्ताओंने उसे पुलिसके हवाले कर दिया। पुलिसने इस युवकका जो धनबाद छात्र संघर्ष समिति का मुख्य संयोजक है नाम रतनचन्द गुप्त बताया और कहा कि इसी युवकने लोकसभामें गत अधिवेशनके समय रिवाल्वरके साथ घुसनेका प्रयास किया था जिसके आरोपमें इसे सजा मिल चुकी है। श्री जगजीवनरामने कहा कि हम भी (कांग्रेस) इसी प्रकारके तरीके अख्तियार कर सकते हैं किन्तु कांग्रेसकी इस प्रकारके कार्योंमें कोई रुचि नहीं है।

वर्ष, ५५ (पु. सं० १३९०६) १९ नवम्बर, १९७४ ई० वाराणसी मंगलवार

श्री जयप्रकाशनारायण आगामी चुनावमें विपक्षका नेतृत्व करेंगे

प्रधान मन्त्रीकी चुनावकी चुनौती स्वीकार करनेकी सर्वोदय नेताकी घोषणा

विधानसभा भंग करनेका आन्दोलन जारी रहेगा

(हमारे संवाददाता, प्रेस ट्रस्ट, यू० एन० आई० से)

पटना, १८ नवम्बर। प्रधान मन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधीकी इस चुनौतीको स्वीकार करते हुए कि बिहार विधानसभाके भाग्यका निपटारा लोकसभा और विधानसभाके आगामी चुनावोंके समय ही होगा, सर्वोदय नेता श्री जयप्रकाशनारायणने आज यहां घोषणा की कि हमारा संघर्ष जारी रहेगा और मैं आगामी चुनावमें मौजूद आन्दोलनकी समर्थक विपक्षी पार्टियोंका नेतृत्व करूंगा।

सर्वोदय नेताने कहा कि फिलहाल, विधानसभा भंग करनेकी मांगको लेकर शान्तिपूर्ण आन्दोलन जारी रहेगा। पूर्व घोषित कार्यक्रमके अनुसार जनता विधानसभाका गठन होगा। इसके लिए चुनाव करानेकी तैयारी चल रही है। जनता विधानसभा हमारे आन्दोलनका नया मंच होगा।

गांधी मैदानमें दो लाखसे भी अधिक लोगोंकी सभामें अपने भाषणमें श्री जयप्रकाशनारायणने घोषित किया कि मैं भी आकांक्षाओंमें नहीं हूं। कालचक्र इस सन्देशका निर्घोष कर रहा है कि जनता आ रही है और जो सिंहासनारूढ़ हैं उन्हें जनताके लिए गद्दी छोड़नी पड़ेगी। श्री जयप्रकाशनारायणने राष्ट्रकवि श्री दिनकरकी प्रसिद्ध काव्य पंक्तियां उद्धृत करते हुए उक्त शब्द कहे। उन्होंने कहा कि कालचक्रका यह निर्घोष न केवल पटना अपितु दिल्लीमें भी सुनाई देगा।

श्री जयप्रकाशनारायणकी सभामें दो लाखसे भी अधिक लोग उपस्थित थे। गत १२ नवम्बरको कम्युनिस्ट पार्टीकी रैली और १६ नवम्बरको कांग्रेस पार्टीकी रैलीमें भी इतनी अधिक संख्यामें लोग शामिल नहीं हुए थे। पटनामें इतनी विशाल जन-

तात्रिक और फासिस्ट प्रवृत्तिको बढ़ावा देनेवाला बताया जा रहा है लेकिन लार्ड डिकी जैसे विश्वके ख्यातनामा संविधान विशेषज्ञोंका मत है कि कुशासनके लिए जिम्मेदार भ्रष्ट मन्त्रिमण्डलको बर्खास्त किया जा सकता है और नये चुनाव कराये जा सकते हैं इस बारेमें निर्णय करनेका राजनीतिक अधिकार प्रभुत्व सम्पन्न जनताको है। उन्होंने कहा कि देश और बिहारकी जनताको यह कहकर बरगलाया जा रहा है कि हम लोकतन्त्रके आधारको कमजोर कर रहे हैं जब कि वास्तविकता यह है कि हम लोकतन्त्रका आधार शिला मजबूत करनेका प्रयास कर रहे हैं। लोकतन्त्रको अचानक हिमायत करनेवाले लोगोंने ही पटनाको चारों ओरसे घेरेबन्दी कर उसे घिरे हुए नगरका रूप दे दिया था। उस समय ऐसा दिखाई दे रहा था कि पटना चारों तरफसे

जयप्रकाशकी चुनौती कांग्रेसको स्वीकार

—देवकान्त बरुआ

जयपुर, १८ नवम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष श्री देवकान्त बरुआने आज सायंकाल यहां एक सार्वजनिक सभामें भाषण करते हुए कहा कि कांग्रेस श्री जयप्रकाशनारायण तथा उनके समर्थकोंकी चुनौतीको स्वीकार करनेके लिए तैयार है।

श्री बरुआने कहा कि श्री जयप्रकाशनारायण लोकतन्त्रमें विश्वास नहीं करते। यदि ऐसा न होता तो उन्होंने चुनावकी प्रतीक्षा की होती। किन्तु तथ्य यह है कि वे यह जानते हैं कि कांग्रेस सरकार वोटोंसे हरायी नहीं जा सकती। जनताको चाहिये कि वह श्री जयप्रकाशनारायणका आन्दोलन विफल कर दे।

श्री जयप्रकाशनारायण हिंसामें विश्वास करते हैं। उनके समर्थक केवल चिल्ला इसलिए रहे हैं क्योंकि उनके पास अधिकार नहीं है। वे राइफलका प्रयोग इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि उनके पासमें है नहीं। यदि यह उन्हें मिल जाय तो वे निश्चित रूपसे इनका प्रयोग करेंगे।

बिहार आन्दोलनका विरोध जयपुरमें कांग्रेसका विशाल जुलूस

जयपुर, १८ नवम्बर। बिहारमें श्री जयप्रकाशनारायणके आन्दोलनके विरोधमें आज यहां कई हजार कांग्रेस समर्थकोंने नगरमें विशाल जुलूस निकाला। कांग्रेस अध्यक्ष श्री देवकान्त बरुआ, केन्द्रीय मन्त्री श्री चन्द्रजीत यादव, श्री राजबहादुर, श्री जगन्नाथ पहाड़िया, राजस्थानके मुख्य मंत्री श्री हरदेव जोशीने जुलूसका नेतृत्व किया।

कर्बरेट

हमें देखना चाहिये कि हमने महात्मा गांधीकी शिक्षाको कहांतक हृदयंगम किया है। —प्रधान मन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी

श्री रेणुने 'पद्मश्री' तथा पेंशन लौटायी

(हमारे संवाददातासे)

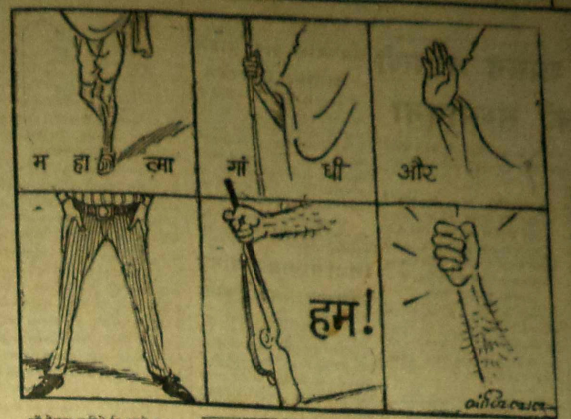

पटना, १८ नवम्बर। प्रसिद्ध साहित्यकार श्री फणीश्वरनाथ 'रेणु'ने अपना पद्मश्री का अलंकरण राष्ट्रपतिको वापस करनेकी घोषणा की है।

श्री रेणुने राज्यपाल द्वारा प्रदत्त तीन सौ रुपयेकी मासिक पेंशन भी राज्यपालको वापस कर दी है।

श्री रेणुने यह घोषणा आज यहां आयोजित श्री जयप्रकाशनारायणकी विशाल जनसभामें की। उन्होंने कहा कि गत चार नवम्बरको सरकार द्वारा दमन, श्री जयप्रकाशपर लाठीप्रहारके विरोधमें मैं ऐसा कर रहा हूं।

इसी सभामें प्रसिद्ध साहित्यकार श्री नागार्जुनने बिहार सरकार द्वारा चालित राष्ट्रभाषा परिषदकी तीन सौ रुपये मासिक

आशाजनक वातावरणमें भारत-पाकिस्तान वार्ता शुरू

रावलपिण्डी, १८ नवम्बर। एक दूसरेके क्षेत्रोंसे होकर विमानोंकी उड़ान शुरू करने तथा दोनों देशोंमें पुनः विमान सेवा आरम्भ करनेके प्रश्नपर आज यहां भारतीय तथा पाकिस्तानी प्रतिनिधियोंमें दो बार वार्ता हुई।

वार्ताका प्रथम दौर पूर्वाह्नमें आरम्भ हुआ था। दूसरा दौर सायंकाल पूर्ण हुआ। वार्ताका प्रथम दौर समाप्त होनेके बाद पाकिस्तानी प्रतिनिधिमण्डलके नेताने पत्र-प्रतिनिधियोंसे भेंटमें कहा कि वार्ताकी शुरूआत मैत्रीपूर्ण वातावरणमें हुई है।

पाकिस्तान रेडियोने भारतीय प्रतिनिधिमण्डलके नेता श्री एन० सहगलके कथनको उद्धृत करते हुए कहा कि श्री सहगल भी पाकिस्तानी प्रतिनिधिमण्डलके नेताके विचारसे सहमत हैं।

आज सुबह वार्ता शुरू होनेपर भारतीय पक्षने जिसका नेतृत्व नागर विमानन

विमानोंकी उड़ान भरनेपर प्रतिबन्ध रोक लेना देनेसे पाकिस्तान इण्टर नेशनल एयरलाइन्सको केवल १९७१ वर्षमें ही भारी आर्थिक हानिकी क्षति हुई है लेकिन सभी राष्ट्रोंसे भारतको भी नये मार्गोंसे अपनी विमान सेवा शुरू करनेपर पर्याप्त क्षति उठानी पड़ी है।

पाकिस्तान टाइम्सका कहना है कि उभय देशोंमें डाक-तार सम्बन्ध और दूर संचार सेवा समझौतेको देखते हुए भारत पाकिस्तानमें नागर विमानन सेवा समझौता भी होनेकी आशा की जा रही है।

हिन्द ... सेण्टोका

देशमें १६०

याचिकाएं वि...

आज

पटनामें उपद्रवी भीड़पर गोलीसे ५ व्यक्ति मरे, ६० घायल

शान्ति स्थापनार्थ सेनाकी गश्त, देखते ही गोली मार देनेका आदेश

सचिवालयके इर्द-गिर्दके भवनोंमें व्यापक आगजनी और लूटपाटकी [stain]नाएं

नगरमें १७ घण्टेका लगातार कर्फ्यू

पटना, १८ मार्च। यू० एन० आई० ने आधिकारिक सूत्रोंके हवालेसे बताया है कि आज राजधानी पटनामें बड़े पैमानेपर लूटपाट, आगजनी करनेवाली हिंसक भीड़को तितर-बितर करनेके लिए पुलिसने सात विभिन्न स्थानोंपर गोली चलायी, जिसमें कमसे कम पांच व्यक्ति मारे गये और ६० से अधिक व्यक्ति घायल हो गये। प्रेस ट्रस्टने चार स्थानोंपर गोली चलने और दो व्यक्तियोंके मरने तथा २२ के घायल होनेकी खबर दी है।

शान्ति व्यवस्था कायम करनेमें नागरिक अधिकारियोंके सहायतार्थ सेनाको पहले ही बुला लिया गया है। दिनमें ११॥ बजेसे नगरमें १७ घण्टेका कर्फ्यू लगा दिया गया है। पुलिसने उग्र भीड़को तितर-बितर करनेके लिए कई बार आंसूगैसके गोले छोड़े, लाठीचार्ज किया और गोलियां चलायी।

जगजीवनराम, दीक्षित आज पटना जायंगे

सर्चलाइट, प्रदीप भवन आगसे नष्ट

उत्तर प्रदेशसे २१ व्यक्तियों के नामांकनपत्र दाखिल

अध्यक्षका सर्वसम्मत चुनाव, सदस्योंका शपथ ग्रहण

उत्तर प्रदेश विधानसभाकी बैठक

कांग्रेसजन चुनौतीका सामना करें

—श्रीमती गांधी

श्री बहुगुणाके स्वास्थ्यमें सुधार

जनता प्रदर्शनसे अलग रहे